bharatkhand

न्यूज़लेटर

भरतखंड किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड कंसोर्टियम

अगस्त 2026

सहयोगी संस्था

Solidaridad

संपादकीय संदेश

प्रिय पाठकों,

भरतखंड न्यूज़लेटर के नवीनतम अंक में आपका स्वागत है।

यह अंक किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को सशक्त बनाने, सामूहिक व्यवसाय को बढ़ावा देने, वित्तीय एवं बाजार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने तथा किसानों के लिए नई व्यावसायिक संभावनाएं विकसित करने की दिशा में भरतखंड के प्रयासों को सामने लाता है। भरतखंड इम्पैक्ट फंड की स्थापना पात्र FPOs को कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने और नए व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करने में सहयोग देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, सोयाबीन के लिए बाजार संपर्क पहल FPOs को संस्थागत खरीदारों से सीधे जोड़ने और किसानों के लिए अधिक भरोसेमंद एवं बेहतर बाजार अवसर तैयार करने की संभावनाओं को दर्शाती है।

इस अंक में प्राकृतिक जैव-इनपुट्स को किसानों और उत्पादकों तक अधिक सुलभ बनाने के प्रयासों को भी प्रमुखता दी गई है। यह पहल मिट्टी एवं पौधों की देखभाल में पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को अपनाने को प्रोत्साहित कर रही हैं। साथ ही, सद्भावना किसान प्रोड्यूसर कंपनी जैसे FPOs सामूहिक प्रयासों के माध्यम से कृषि-इनपुट, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के क्षेत्र में नए अवसर सृजित कर रहे हैं।

NMEO-OS के अंतर्गत मध्य प्रदेश में बीज वितरण और किसानों के जुड़ाव की प्रगति भी इस अंक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन प्रयासों के माध्यम से किसान, FPOs, सरकारी विभाग और स्थानीय हितधारक मिलकर तिलहन उत्पादन को मजबूत करने तथा अधिक समन्वित मूल्य श्रृंखला विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

इस अंक में हम शिवेंद्र सिंह राजपूत की प्रेरणादायक कहानी भी प्रस्तुत कर रहे हैं। आंवला प्रसंस्करण के माध्यम से उन्होंने दिखाया है कि प्रशिक्षण, मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता सुधार और बाजार सहयोग किस प्रकार कृषि उपज को एक उभरते हुए ग्रामीण उद्यम में बदल सकते हैं। उनका अनुभव भरतखंड के व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है किसानों को केवल प्राथमिक उत्पादन तक सीमित न रखते हुए, उनके उत्पादों में अधिक मूल्य जोड़ने और बाजार से बेहतर तरीके से जोड़ने में सहयोग देना।

हमें उम्मीद है कि यह अंक भरतखंड नेटवर्क के माध्यम से हो रहे प्रयासों, उपलब्धियों और उभरते अवसरों की एक सार्थक झलक प्रस्तुत करेगा।

डॉ. सुरेश मोटवानी
महाप्रबंधक, सॉलिडरीडाड

भरतखंड बोर्ड बैठक

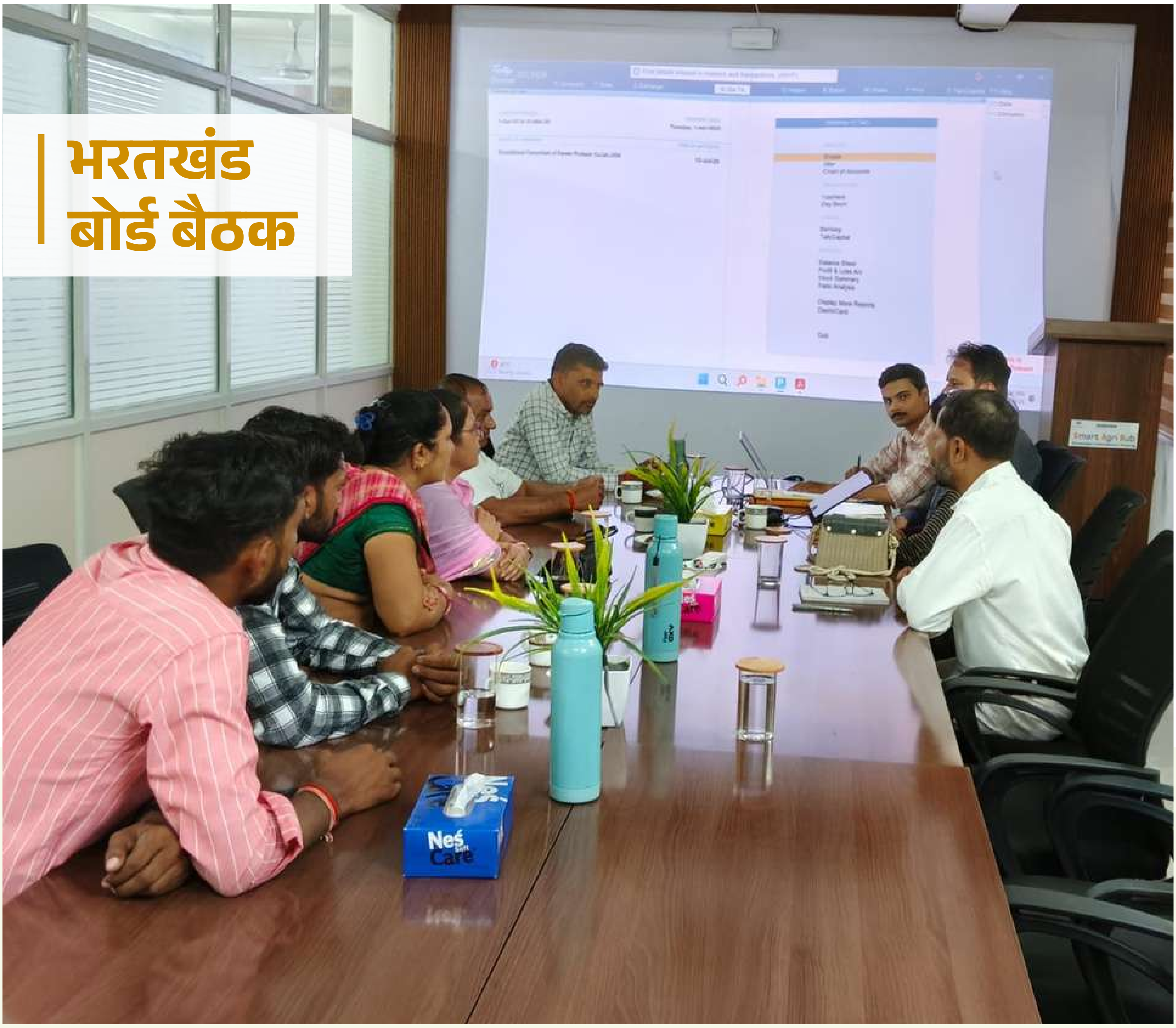

सामूहिक विकास के लिए एफपीओ का सशक्तिकरण

भरतखंड कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनीज लिमिटेड ने भोपाल में निदेशक मंडल की बैठक आयोजित की, जिसमें वर्ष 2026-27 की शेष अवधि के लिए प्रगति की समीक्षा और प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई। बैठक में एफपीओ की व्यावसायिक क्षमता को मजबूत करने, वित्त एवं बाजारों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने तथा सामूहिक व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय के रूप में भरतखंड इम्पैक्ट फंड की स्थापना को मंजूरी दी गई। यह एक रिवॉल्विंग सीड-कैपिटल व्यवस्था होगी, जिसका उद्देश्य पात्र एफपीओ को शुरुआती कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने, अपने व्यवसाय का विस्तार करने तथा नए बाजार अवसरों का लाभ उठाने में सहायता प्रदान करना है।

आगे बढ़ते हुए, भरतखंड कृषि उपज का सामूहिक एकत्रीकरण, मूल्य संवर्धन, बीज उद्यम, बाजार संपर्क, रणनीतिक साझेदारी और एफपीओ नेटवर्क के विस्तार को प्राथमिकता देगा। इन पहलों के माध्यम से भरतखंड एक मजबूत, टिकाऊ और किसान-स्वामित्व वाले व्यावसायिक मंच के रूप में अपनी यात्रा को और सुदृढ़ करेगा।

किसानों के लिए नए अवसरों का सृजन

एफपीओ के नेतृत्व में सोयाबीन एकत्रीकरण और बाजार संपर्क

भरतखंड कंसोर्टियम ने देवास में बाजार संपर्क एवं क्रेता-विक्रेता मंच का आयोजन किया। इसका उद्देश्य किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और संस्थागत खरीदारों के बीच प्रत्यक्ष बाजार संपर्क को मजबूत करना था। इस मंच में देवास, सीहोर, भोपाल, उज्जैन, धार और शाजापुर के 32 सदस्य एफपीओ तथा विप्पी इंडस्ट्रीज की प्रबंधन, खरीद और गुणवत्ता टीमों ने भाग लिया। इस संवाद ने एफपीओ को एक प्रमुख सोयाबीन खरीदार से सीधे जुड़ने, खरीद संबंधी आवश्यकताओं को समझने और दीर्घकालिक व्यावसायिक साझेदारी के अवसर तलाशने का अवसर प्रदान किया। इस पहल को सॉलिडेरिडाड का सहयोग प्राप्त हुआ।

एफपीओ के नेतृत्व में सोयाबीन व्यवसाय मॉडल का निर्माण

इस मंच का मुख्य फोकस एफपीओ के नेतृत्व में पुनर्योजी सोयाबीन एकत्रीकरण एवं विपणन मॉडल विकसित करना था, जिसके माध्यम से किसानों से संस्थागत खरीदारों तक सीधे सोयाबीन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। चर्चा में गुणवत्ता, मूल्य निर्धारण, भुगतान चक्र, दस्तावेजीकरण और कार्यशील पूंजी जैसी प्रमुख चुनौतियों पर विचार किया गया। साथ ही, भरोसेमंद बाजार और समय पर भुगतान को एफपीओ व्यवसाय की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया गया।

गुणवत्ता और खरीद प्रक्रियाओं को मजबूत करना

विप्पी इंडस्ट्रीज ने सोयाबीन की गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं पर मार्गदर्शन दिया। इसमें 10:3:3 मानक-10% नमी, 3% बाहरी पदार्थ और 3% क्षतिग्रस्त दाने की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि सोयाबीन की गुणवत्ता का सीधा प्रभाव खरीद मूल्य और खरीद प्रक्रिया पर पड़ता है।

बेहतर मूल्य और तेज भुगतान

विप्पी इंडस्ट्रीज ने पात्र एफपीओ से प्राप्त सोयाबीन के लिए प्रचलित बाजार मूल्य से 1% अतिरिक्त प्रीमियम देने का प्रस्ताव दिया। साथ ही, खरीद के बाद दूसरे दिन तक भुगतान की सुविधा प्रदान करने और एफपीओ की उपज से भरी खेपों को अनलोडिंग में प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई गई।

20,000–25,000 मीट्रिक टन सोयाबीन खरीद का अवसर

बैठक का एक प्रमुख परिणाम एफपीओ-वार प्रारंभिक खरीद योजना तैयार करना रहा। विप्पी इंडस्ट्रीज ने किसानों और एफपीओ से सीधे लगभग 20,000–25,000 मीट्रिक टन सोयाबीन खरीदने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इससे एफपीओ के लिए अधिक मजबूत, नियमित और पूर्वानुमानित बाजार अवसर तैयार होने की संभावना है।

ट्रेसबिलिटी और मूल्य संवर्धन पर जोर

मंच में ट्रेसबिलिटी को पारदर्शिता बढ़ाने और एफपीओ द्वारा आपूर्ति किए गए सोयाबीन को अलग पहचान दिलाने के प्रभावी माध्यम के रूप में रेखांकित किया गया। प्रतिभागी एफपीओ ने अपने जैविक एवं मूल्यवर्धित उत्पादों का भी प्रदर्शन किया, जो प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाता है।

प्राकृतिक जैव-इनपुट, किसानों और बागवानी करने वालों तक पुनर्योजी समाधान की पहुँच

विश्वसनीय और प्राकृतिक जैव-इनपुट तक आसान पहुंच स्वस्थ मिट्टी और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, भरतखंड ग्रामीण और शहरी समुदायों के लिए प्राकृतिक रूप से तैयार किए गए विभिन्न जैव-इनपुट उपलब्ध करा रहा है।

इस माह भरतखंड ने 184 लीटर जैव-इनपुट की बिक्री की है, जो फसल उत्पादन, किचन गार्डन और पौधों की देखभाल के लिए प्राकृतिक समाधानों में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। यह पहल पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को खेतों से आगे बढ़ाकर शहरी और घरेलू बागवानी तक पहुंचाने में मदद कर रही है।

इन जैव-इनपुट का उत्पादन निको रूज़ेन इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर में प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करके किया जाता है। विभिन्न प्रकार के जैव-इनपुट पौधों और मिट्टी की अलग-अलग आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इनका उपयोग किसान अपने खेतों में, वहीं घरों में पौधे उगाने वाले लोग भी प्राकृतिक विकल्प के रूप में कर सकते हैं।

भरतखंड जैव-इनपुट श्रृंखला

वर्तमान में उपलब्ध जैव-इनपुट में शामिल हैं:

बायो थियो | कम्पोस्ट टी | जीवामृत | अग्नि मिसाइल | पंच पत्ती अर्क | कंडा टॉनिक

इन उत्पादों की बढ़ती मांग स्थानीय स्तर पर तैयार प्राकृतिक जैव-इनपुट की क्षमता को दर्शाती है। यह उत्पाद पुनर्योजी कृषि को दैनिक खेती और बागवानी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इन समाधानों को अधिक सुलभ बनाकर भरतखंड पौधों और मिट्टी की देखभाल के लिए प्राकृतिक तरीकों के प्रति जागरूकता और उनके उपयोग को बढ़ावा दे रहा है।

चाहे इनका उपयोग खेत में किया जाए या किचन गार्डन में, पौधों और मिट्टी की देखभाल के तरीके में किए गए छोटे-छोटे बदलाव भी अधिक टिकाऊ और पुनर्योजी खेती एवं बागवानी पद्धतियों की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

हमारा
एफपीओ जानिए

सद्भावना किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड

माकड़ोन, उज्जैन, मध्य प्रदेश

माकड़ोन ब्लॉक के किसान समुदायों से उभरकर सद्भावना किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने लगभग 25 गांवों के 272 किसान सदस्यों को एक साझा मंच से जोड़ा है। वर्ष 2021 में पंजीकृत यह एफपीओ अपने सदस्य किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि इनपुट, तकनीकी जानकारी, मूल्य संवर्धन और बेहतर बाजार अवसरों तक पहुंच प्रदान करने के लिए कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य किसानों की सामूहिक शक्ति को बेहतर और टिकाऊ व्यावसायिक अवसरों में बदलना है।

हम क्या उगाते हैं?

सोयाबीन || गेहूं || चना || प्याज || आलू || लहसुन

हम क्या करते हैं?

- **कृषि इनपुट की उपलब्धता:** किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक और अन्य कृषि इनपुट उपलब्ध कराने में सहयोग।
- **मूल्य संवर्धन एवं खाद्य उत्पाद:** कच्ची कृषि उपज की बिक्री से आगे बढ़कर मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने के अवसर विकसित करना।
- **वर्मी कम्पोस्ट:** टिकाऊ और प्राकृतिक कृषि इनपुट को बढ़ावा देना।
- **तकनीकी सहयोग एवं बाजार संपर्क:** किसानों को बेहतर कृषि पद्धतियां अपनाने और बाजारों से जुड़ने में सहायता प्रदान करना।

भरतखंड कंसोर्टियम के साथ सहयोग के माध्यम से सद्भावना एफपीओ अपने खाद्य उत्पाद व्यवसाय को विकसित कर रहा है। इसमें मूल्य संवर्धन, नए उत्पादों का विकास, गुणवत्ता सुधार, ब्रांडिंग और बाजार संपर्क पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस पहल में महिला सदस्य भी सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं और प्रसंस्करण, पैकेजिंग, मार्केटिंग तथा बिक्री से जुड़ी गतिविधियों में योगदान दे रही हैं। इससे खेती से जुड़े परिवारों के लिए स्थानीय स्तर पर आजीविका और आय के नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

नेतृत्व

सीईओ: संजय बादल

बोर्ड: 5 निदेशक, जिनमें 1 महिला निदेशक शामिल हैं

प्रोत्साहक: सॉलिडरीडाड

सहयोग: नाबार्ड

कहानी की सफलता

आंवले से उद्यम तक

शिवेंद्र सिंह राजपूत कैसे खेती से बढ़ा रहे हैं मूल्य

गांव: बाढ़ेर, ब्लॉक नटेरन, जिला विदिशा, मध्य प्रदेश

शिवेंद्र सिंह राजपूत के लिए खेती अब केवल फसल उगाने तक सीमित नहीं है। उनके लिए खेती का अर्थ है खेत से प्राप्त उपज का मूल्य बढ़ाकर उसे बेहतर व्यावसायिक अवसर में बदलना। विदिशा जिले के बाढ़ेर गांव के किसान और उद्यमी शिवेंद्र लगभग 5 हेक्टेयर भूमि पर खेती करते हैं और औषधीय पौधों की खेती के साथ-साथ आंवला आधारित मूल्यवर्धित उत्पादों का एक उभरता हुआ व्यवसाय भी संचालित कर रहे हैं।

एक प्रशिक्षण जिसने बदल दी दिशा

वर्ष 2023 में शिवेंद्र ने सॉलिडरीडाड के मार्गदर्शन में आंवला प्रसंस्करण पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण में भाग लिया। यह प्रशिक्षण उनके लिए एक नए अवसर की शुरुआत बना।

प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और आत्मविश्वास के साथ उन्होंने आंवला प्रसंस्करण का प्रयोग शुरू किया। उन्होंने अचार, मुरब्बा, चटनी, कैंडी और अन्य उत्पाद तैयार किए। पहले वर्ष उन्होंने लगभग 1 क्विंटल आंवले का प्रसंस्करण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राहकों की पसंद को समझा, बाजार की प्रतिक्रिया जानी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता एवं प्रसंस्करण तकनीकों में सुधार किया।

एक क्विंटल से 15 क्विंटल तक

वर्ष 2024 तक शिवेंद्र ने अपने उद्यम का काफी विस्तार किया। आंवला उत्पादों का उत्पादन बढ़कर 15 क्विंटल हो गया। इसके साथ ही उन्होंने उत्पादों की विविधता, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर भी ध्यान दिया।

इस प्रयास के सकारात्मक परिणाम सामने आए और उनके व्यवसाय का कारोबार लगातार बढ़ा:

- 2024: रू. 3,00,000 का बिक्री कारोबार
- 2025: रू. 4,50,000 का बिक्री कारोबार

कारोबार में यह निरंतर वृद्धि उनके उत्पादों की गुणवत्ता, विविध उत्पाद श्रृंखला और बढ़ते ग्राहक आधार को दर्शाती है।

गुणवत्ता और मार्केटिंग पर विशेष ध्यान देने से शिवेंद्र ने नियमित बाजार तैयार किए हैं। कॉलेजों और कार्यालयों से उन्हें दोबारा ऑर्डर मिल रहे हैं। इसके अलावा, वह विभिन्न माध्यमों से अपने उत्पाद बेचते हैं, जिससे उनका ग्राहक आधार बढ़ रहा है और आय के स्रोतों में विविधता आ रही है।

भरतखंड: खेत से बाजार तक उत्पादों को पहुंचाने में सहयोग

शिवेंद्र का उद्यम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, भरतखंड उनके उत्पादों को बाजार के लिए अधिक तैयार और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहयोग कर रहा है। यह सहयोग मुख्य रूप से पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और मार्केटिंग पर केंद्रित है।

इस सहयोग से आंवला उत्पादों को अधिक आकर्षक, गुणवत्तापूर्ण, एकरूप और बाजार के अनुकूल बनाने में मदद मिल रही है। यह साझेदारी खेत से उपभोक्ता तक की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, ताकि मूल्य संवर्धन केवल प्रसंस्करण तक सीमित न रहे, बल्कि उत्पाद की अंतिम पैकेजिंग, गुणवत्ता और बाजार पहुंच तक भी प्रभावी रूप से जारी रहे।

हर फसल से अधिक मूल्य सृजित करना

आंवला शिवेंद्र की खेती और उद्यमिता की यात्रा का केवल एक हिस्सा है। वे अपने खेत पर सहजन (मोरिंगा) और चिया की भी खेती करते हैं। वे गांव पाली के कृषक जागृति मंच किसान हित समूह के सक्रिय सदस्य भी हैं।

इस समूह को सॉलिडेरिडाड द्वारा एक प्रसंस्करण इकाई के माध्यम से सहयोग दिया गया है। शिवेंद्र इस इकाई का उपयोग आंवला के साथ-साथ मोरिंगा और अश्वगंधा जैसी औषधीय फसलों के प्रसंस्करण के लिए करते हैं। प्रसंस्करण की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें कच्ची उपज बेचने के बजाय अपनी फसलों से अधिक मूल्य प्राप्त करने और नए उत्पाद विकसित करने का अवसर मिल रहा है।

व्यवसाय के लिए कच्चे माल का उत्पादन

अब शिवेंद्र अपने व्यवसाय को और मजबूत करने की दिशा में अगला कदम उठा रहे हैं। अपने उत्पादों को मिल रही बाजार प्रतिक्रिया से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी जमीन पर आंवले के पौधे लगाने की योजना बनाई है।

यह उनके लिए केवल खेती का विस्तार नहीं है, बल्कि खेती और प्रसंस्करण व्यवसाय के बीच मजबूत संबंध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे भविष्य में उनके उद्यम के लिए कच्चे माल की अधिक विश्वसनीय और नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है।

किसान से उद्यमी तक

शिवेंद्र सिंह राजपूत की कहानी दिखाती है कि जब ज्ञान, कौशल और बाजार के अवसर एक साथ आते हैं, तो खेती किस तरह एक लाभकारी उद्यम में बदल सकती है।

एक प्रशिक्षण ने उन्हें प्रसंस्करण की दिशा में आगे बढ़ाया, एक क्विंटल आंवले से शुरू हुई यात्रा 15 क्विंटल तक पहुंची, और एक साधारण कृषि उपज मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला में बदल गई। उनका बिक्री कारोबार 2024 में रू. 3 लाख से बढ़कर 2025 में रू. 4.5 लाख हो गया है और लगातार आगे बढ़ रहा है।

शिवेंद्र की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता, बाजार संपर्क और सही सहयोग के माध्यम से किसान अपनी उपज से अधिक मूल्य अर्जित करते हुए सफल ग्रामीण उद्यमी बन सकते हैं।

बीज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

मध्य प्रदेश में तिलहन विकास को गति दे रहा भरतखंड कंसोर्टियम

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन–तिलहन (NMEO-OS) के तहत वैल्यू चेन पार्टनर (VCP) के रूप में भरतखंड कंसोर्टियम, मध्य प्रदेश के चयनित जिलों में क्लस्टर आधारित तिलहन विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए कृषि विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण बीजों को बढ़ावा देने, बेहतर कृषि पद्धतियों को अपनाने, किसानों के खेतों पर प्रदर्शन आयोजित करने और समन्वित विस्तार सेवाओं के माध्यम से राज्य में तिलहन उत्पादकता को बढ़ाना है।

पिछली अवधि में भरतखंड की टीम ने कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न स्तरों पर सक्रियता से कार्य किया। इसमें जिला कृषि विभाग के साथ समन्वय, उपयुक्त क्लस्टरों की पहचान, बीज वितरण की योजना, किसानों का मोबिलाइजेशन और जमीनी स्तर पर कार्यक्रम के क्रियान्वयन की तैयारी शामिल रही।

इस पूरी प्रक्रिया में उप संचालक कृषि (DDA), सहायक संचालक कृषि (ADA), वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी (SADO), ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (RAEO), किसान उत्पादक संगठन (FPO), पंचायती राज संस्थाएं और स्थानीय किसान नेताओं के साथ नियमित समन्वय किया गया। सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों से कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद मिली।

कृषि विभाग से समय पर बीज उपलब्ध होने के बाद देवास, धार, बड़वानी और रतलाम जिलों में बीज वितरण सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।

प्रमुख उपलब्धियां एक नजर में

जिला-वार प्रगति

देवास

ब्लॉक: देवास, सोनकच्छ और टोंक खुर्द

किसान
1,761

बीज किस्म
JS-21-72, RVSM 1135

सभी किसान कृषि-मैपर ऐप पर पंजीकृत

धार

ब्लॉक: सरदारपुर

किसान
501

सोयाबीन बीज
375 qtl RVSM-1135

अधिकांश किसान अनुसूचित जनजाति समुदायों से हैं।

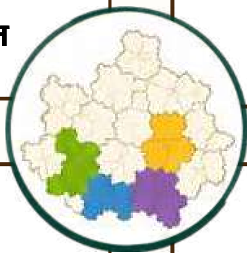

बड़वानी

ब्लॉक: ठीकरी

किसान
269

बीज
50 क्विंटल मूंगफली और 37.5 क्विंटल सोयाबीन

रतलाम

रतलाम

किसान
535

मूंगफली बीज
279.8 क्विंटल, GJ-37

सोयाबीन के स्थान पर मूंगफली

कुल पहुंच:
3,066 किसान

4 जिलों में किसानों को बीज उपलब्ध कराया गया और सभी किसानों को कृषि-मैपर ऐप पर पंजीकृत किया गया है।

संपर्क करें

Bharatkhand Hub Zonal Offices

Bhopal	Bharatkhand Consortium of Farmers Producer Company Limited. D/67, BDA Colony, Kohefiza, Bhopal, Madhya Pradesh - 462001	Mr. Himanshu Bains +91 9009923816 Ms. Anvesha Singh +91 9406779242
Sehore	H.N- 619, Near Nalanda School, Chanakyapuri Sehore Madhya Pradesh 466001	Ms. Namrita Bhanweriya +91 9644195248
Mandsour	HIG-17, Gandhi Nagar, Mandsaur Madhya Pradesh- 458001	Mr. Arvind Patidar +91 7566652686
Dewas	Bharatkhand Hub 48, Ram Nagar, Dewas Madhya Pradesh- 455001	Ms. Purva Wadwekar +91 9171251979
Tarana	H.No. 30 Krishna Kunj Vihar Colony Rupakhedi Road Tarana, Ujjain, Madhya Pradesh- 456665	Mr. Sandeep Mishra +91 9450707018

bharatkhand.net